हिंदी

हिंदी पाठ्यपुस्तक

1

SAMPLE

With the blessings of :
Our Parents

हिंदी

हिंदी पाठ्यपुस्तक 1

Copyright @ Publishers

All rights reserved. No part of the publications may be reproduced, transmitted or distributed in any form or by any means without prior permission in written. Any person who does any unauthorised act in relation, Publications may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

Limits of liability and Disclaimer of Warranty:
The Authors, Editors, Designers and the Publishers of this book have tried their best to ensure that all the texts are correct in all aspect. However, the authors and the publishers does not take any responsibility of any errors, if happened. The correction of errors, if found will duly be done in the next edition.

MADE IN INDIA

Support Recycle

Save a Tree
Save the Earth

One Ton of this Paper Saves 17 trees

Max Retail Price: On Back Cover

Edited & Designed by:
Editone International Pvt. Ltd.

Based on:

- National Education Policy 2020
- NCF 2022
- Activity Based Format
- Innovative Approach
- Learning with fun
- Eco-Friendly Paper

SAMPLE

आमुख

विचारों को अभिव्यक्त करने का सबसे सरल एवं स्पष्ट माध्यम भाषा ही है। भाषा में सम्मिलित कौशलों की सहायता से विचारों का आदान-प्रदान संभव हो पाता है। विद्यार्थियों के प्रभावपूर्ण व्यक्तित्व के विकास में शैक्षिक प्रणाली का अहम् योगदान होता है। इस प्रणाली में रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवीय मूल्यों तथा जीवन कौशल का समावेश होना आवश्यक है।

प्रस्तुत पुस्तक श्रृंखला (कक्षा 1-8) में भाषा के चारों कौशल– श्रवण, वाचन, पठन, लेखन के साथ-साथ गतिविधि आधारित शिक्षण पर विशेष बल दिया गया है। इस पुस्तक श्रृंखला में चिंतन-मनन (Thinking), विश्लेषण (Analysis), कल्पनाशीलता (Imagination), रचनात्मकता (Creativity), मूल्यांकन (Evaluation) को भी समाहित किया गया है। इसमें निर्धारित मानक वर्तनी का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत श्रृंखला विद्यार्थियों की भाषा में बारीक समझ को विकसित करने में सक्षम है। साथ ही इसमें पाठ नियोजन करते समय विद्यार्थियों की रुचियों, जिज्ञासाओं एवं खोजबीन प्रवृति का पूरा ध्यान रखा गया है। इस पुस्तक श्रृंखला की पाठ्य-सामग्री बच्चों के स्तरानुकूल, सरल, सहज एवं रोचक रूप में प्रस्तुत की गई है।

प्रस्तुत श्रृंखला में नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) 2022 को ध्यान में रखकर सभी मूल्यों को तार्किक रूप से अपनाया गया है। रचनात्मक लेखन के अंतर्गत कविता, कहानी, चित्र-कथा, संवाद, यात्रा-वर्णन एवं पत्र-लेखन आदि को शामिल किया गया है ताकि भाषा प्रयोग पर विद्यार्थियों की पकड़ मज़बूत बन सके, साथ ही विद्यार्थी व्याकरण का कुशलतापूर्वक प्रयोग कर पाएँ।

इस श्रृंखला में विद्यार्थियों को ऐसा मंच देने का प्रयास किया गया है, जहाँ वे आत्मविश्वास के साथ सोच-समझकर प्रश्नों का उत्तर दे सकें, साथ ही संवाद या चर्चा के द्वारा अपने सहपाठियों का दृष्टिकोण भी समझ पाएँ।

हमें यह विश्वास है कि प्रस्तुत पुस्तक श्रृंखला छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी। इस पुस्तक श्रृंखला को और भी अधिक उपयोगी बनाने के लिए सभी शिक्षार्थी, पाठकगण एवं शिक्षकगण के महत्वपूर्ण सुझाव अपेक्षीय हैं।

–प्रकाशक

SAMPLE

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	अध्याय	पृ. सं.
⊙	प्यारी कोयल (केवल पठन हेतु)	5
⊙	पार्क की सैर करें	6
⊙	आओ, चिड़ियाघर घूमें	8
⊙	वर्णमाला दोहराएँ	10
1.	बिना मात्रा वाले शब्द	14
2.	आ की मात्रा (ा) वाले शब्द	19
3.	इ की मात्रा (ि) वाले शब्द	24
4.	ई की मात्रा (ी) वाले शब्द	28
	कार्यविधि-1	32
5.	उ की मात्रा (ु) वाले शब्द	33
6.	ऊ की मात्रा (ू) वाले शब्द	37
7.	ऋ की मात्रा (ृ) वाले शब्द	41
8.	ए की मात्रा (े) वाले शब्द	43
9.	ऐ की मात्रा (ै) वाले शब्द	47
	कार्यविधि-2	51
10.	ओ की मात्रा (ो) वाले शब्द	52
11.	औ की मात्रा (ौ) वाले शब्द	55
12.	अनुस्वार की मात्रा (ं) वाले शब्द	59
13.	'विसर्ग' की मात्रा (:) वाले शब्द	62
	कार्यविधि-3	64
14.	पिकनिक (कहानी)	65
15.	हंस किसका? (कहानी)	69
16.	गिलहरी (कविता)	73
✶	स्वमूल्यांकन पत्र-1	77
✶	स्वमूल्यांकन पत्र-2	79

SAMPLE

प्यारी कोयल
(केवल पठन हेतु)

पढ़ें और गाएँ

आवाज़ों की हूँ मैं जादूगर,
रंग काला है और मधुर स्वर,
कभी गाऊँ इधर, कभी गाऊँ उधर,
नहीं है कोई मेरा अपना घर।

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को कोयल के बारे में बताते हुए कविता को बार-बार दोहराएँ और बच्चों को कंठस्थ कराएँ।

SAMPLE

पार्क की सैर करें

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को चित्र दिखाएँ और चित्र में हो रही गतिविधियों से प्रश्न पूछें ताकि बच्चे चित्रों के माध्यम से कहानी की रचना करने में सक्षम हो सकें।

आओ, चिड़ियाघर घूमें

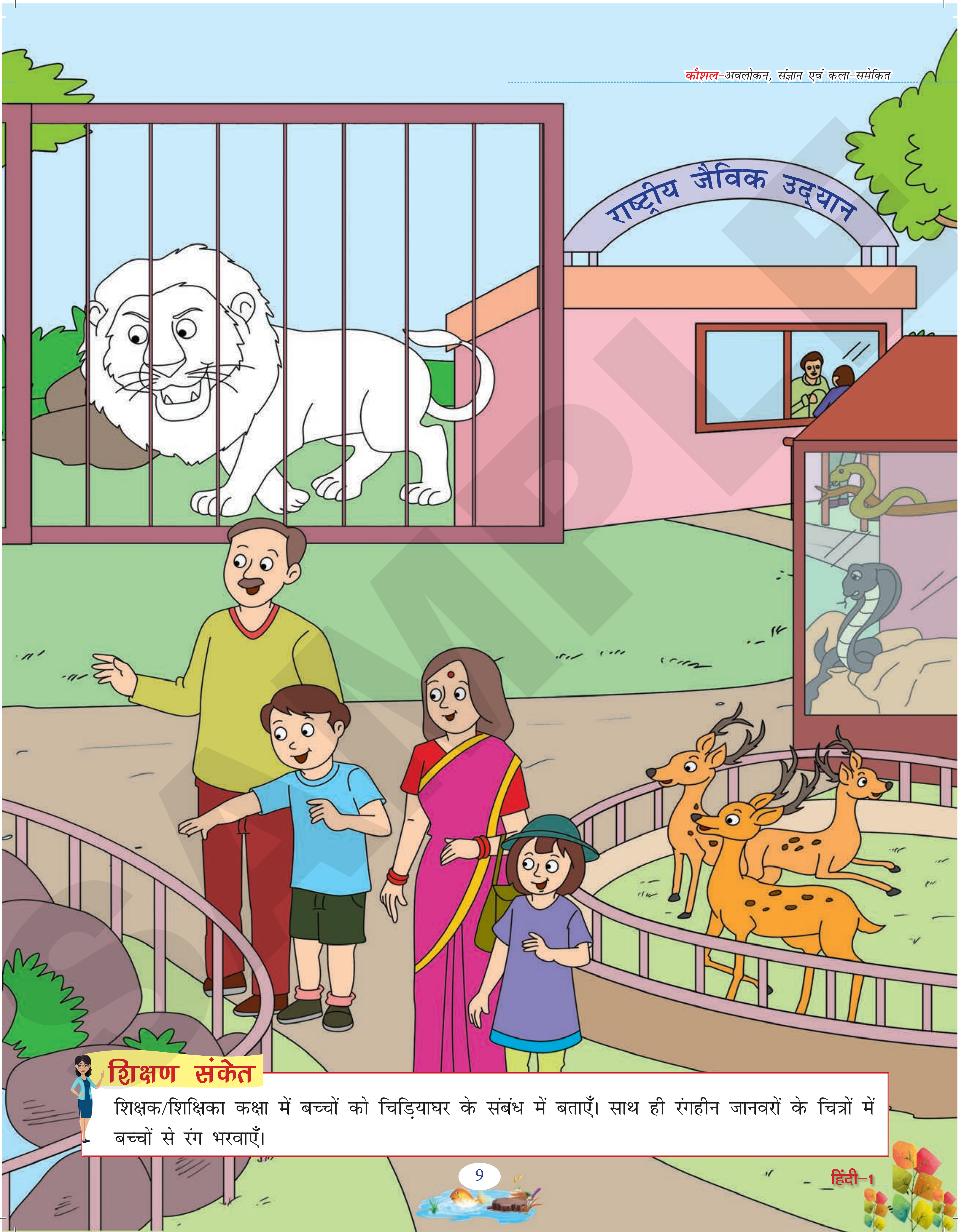

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को चिड़ियाघर के संबंध में बताएँ। साथ ही रंगहीन जानवरों के चित्रों में बच्चों से रंग भरवाएँ।

वर्णमाला दोहराएँ

स्वर की दुनिया

अ

आ

इ
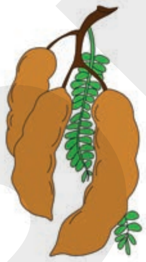

ई

उ

ऊ
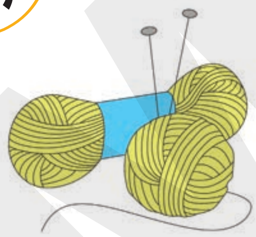

ऋ

ए

ऐ

ओ

औ

अं
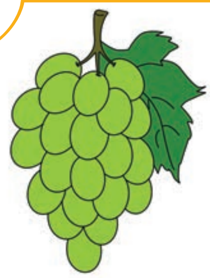

अः

SAMPLE

व्यंजन की दुनिया

क

ख

ग

घ

ङ

च

छ

ज

झ

ञ

ट 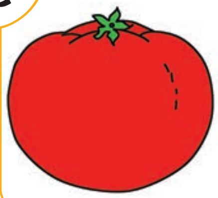

ठ

ड

ढ 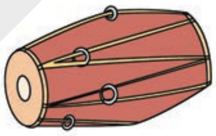

ण

त

थ

द

ध 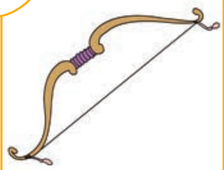

न

प 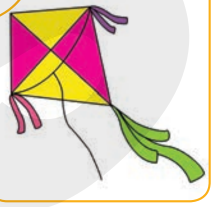

फ

ब

भ

म

य

र

ल

व

श
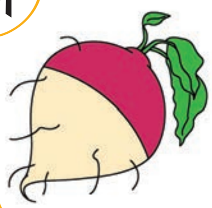

ष

स

ह

क्ष

त्र

ज्ञ
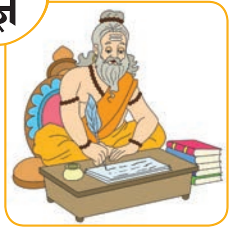

मिश्रित व्यंजन

श्र | ड़ | ढ़

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को वर्णमाला कंठस्थ करवाएँ तथा वर्णमाला में शामिल चित्रों के माध्यम से बच्चों को शब्द बताएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए
Speaking Skills

1. दिए गए वर्णों को बोलकर पढ़िए।

आ ऊ ब म क ऐ न ऋ त ई ल फ अं र

ज़रा लिखिए
Writing Skills

2. खाली डिब्बों में उचित वर्ण को भरिए।

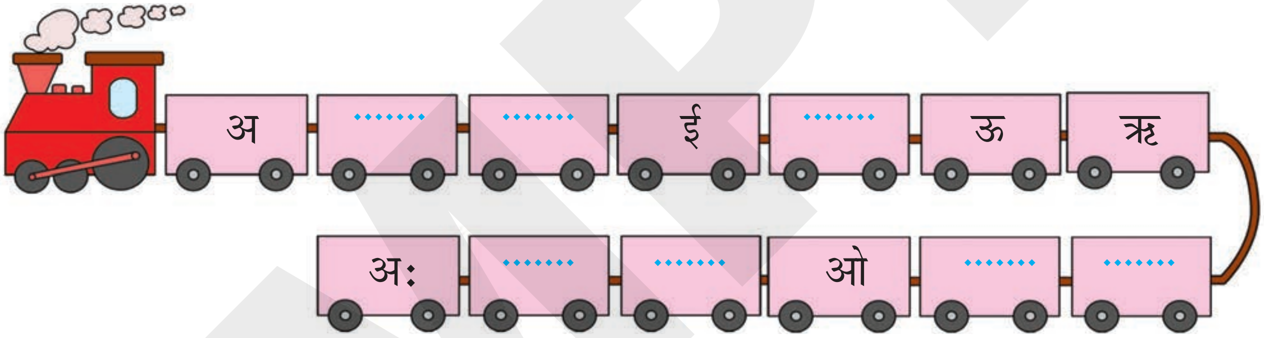

ज़रा दिमाग लगाइए
Brain Storming Activity

3. सही मिलान कीजिए।

(क)

(i) ग

(ii) छ

(ख) 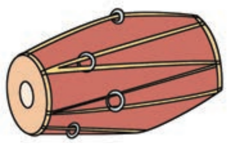

(ग)

(iii) ष

(iv) क्ष

(घ)

(ङ)

(v) ढ

(vi) फ

(च)

SAMPLE

अध्याय 1

बिना मात्रा वाले शब्द

दो अक्षर वाले शब्द

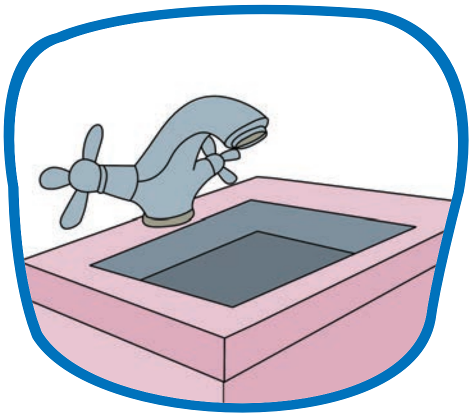

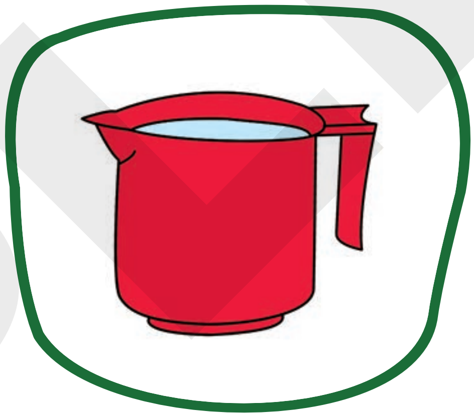

न + ल = नल	फ + ल = फल	म + ग = मग

केवल पठन हेतु

कर	पल	जय	छत	मन	हल	मग	डर
चल	सच	रथ	तल	मर	हर	घन	जल

घर चल। फल चख।

डर मत। अब पढ़।

बस पर चढ़। अब फल चख।

डग मग मत कर। पथ पर चल।

SAMPLE

तीन अक्षर वाले शब्द

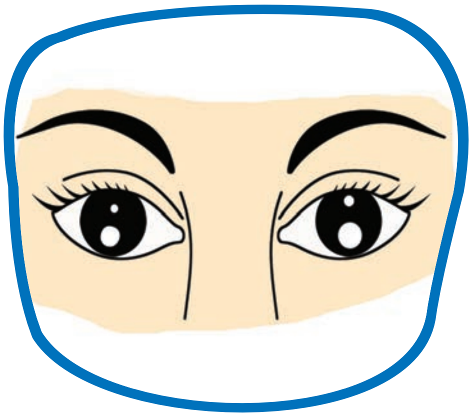

न+य+न = नयन	ब+त+ख = बतख	फ+स+ल = फसल

केवल पठन हेतु

नमक	कलश	नगर	अमर	बटन	नहर	पलक	नकल
कलम	ठहर	महक	टहल	सड़क	कमल	मटर	चमन

पलक झपक। उछल मत।

शहद चख। भजन कर।

अगर मगर मत कर।

छत पर टहल।

घर पर हवन कर।

बहस मत कर।

कलम उधर रख।

SAMPLE

चार अक्षर वाले शब्द

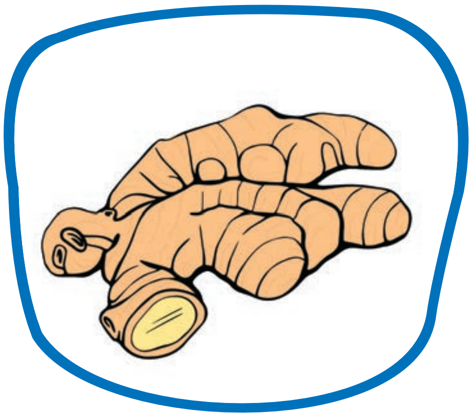

अ+द+र+क = अदरक	श+र+ब+त = शरबत	ब+र+ग+द = बरगद

केवल पठन हेतु

करवट	झटपट	हलधर	अचकन	सरकस	लटकन	अजगर
पनघट	चमचम	नटखट	उलझन	बरतन	थरमस	खटपट

बहन पथ पर सरपट मत चल। पनघट पर जल भर। खटपट मत कर। झटपट बस पर चढ़। नटखट अकबर अचकन उधर रख। थरमस इधर ला।

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को बिना मात्रा वाले शब्दों के बारे में समझाएँ तथा उनके उच्चारण करवाएँ।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए चित्रों को पहचानकर उनके नाम बोलिए।

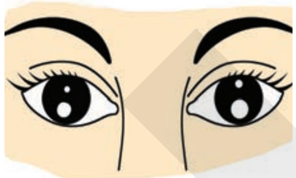

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. यही मिलान कीजिए।

(क) (i) बरगद

(ख) (ii) फल

(ग) (iii) मटर

(घ) (iv) रथ

3. चित्रों को पहचानकर शब्द पूरे कीजिए।

(क) 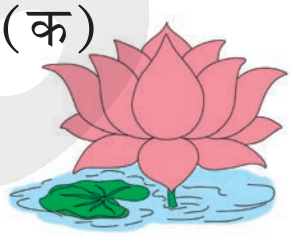 (ख) 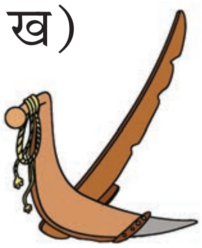 (ग) (घ)

.......म....... ह....... ....ल थ.......म.......

SAMPLE

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

4. शब्द बनाइए।

(क) ज
(ख) मह
(ग) कलक
(घ) मलम
(ङ) छ

ल

(i) जल
(ii) ....
(iii) ....
(iv) ....
(v) ....

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

5. बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा कीजिए और उसमें रंग भरिए। चित्र का नाम भी लिखिए। एक उदाहरण दिया गया है।

(क)

ब + स = बस

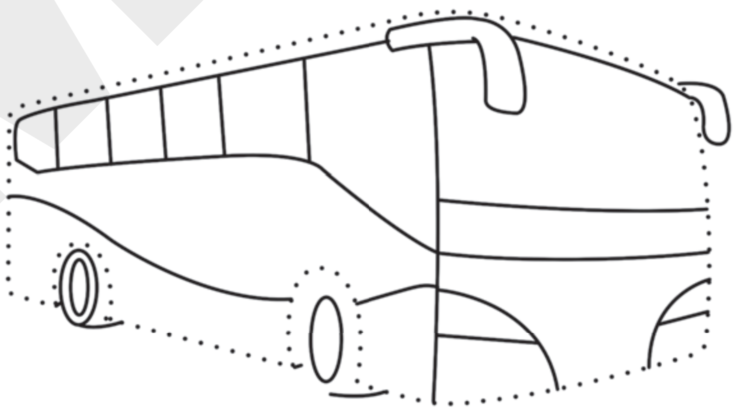

(ख)

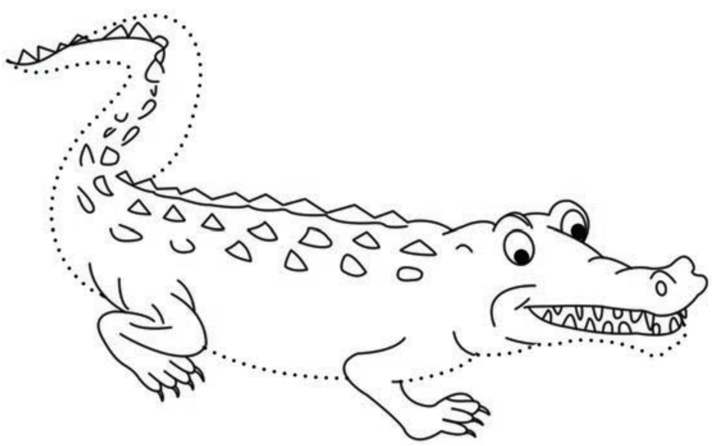

SAMPLE

'आ' की मात्रा (ा) वाले शब्द

चित्रों को देखकर बताइए कौन हैं हम ?

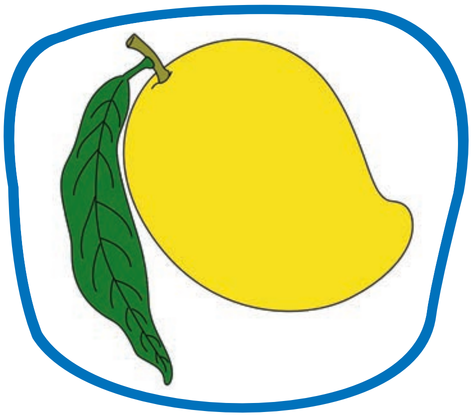

अ+ा+म = आम	घ+ा+स = घास	त+ब+ल+ा = तबला

केवल पठन हेतु

दावत	ताला	चादर	सागर	कान	राम	माला
बाहर	काम	चावल	काला	गागर	पान	भाला

श्रुतलेख

काम	राजा	माला	आम	बारह
काम	राजा	माला	आम	बारह
काम	राजा	माला	आम	बारह

SAMPLE

राजन इधर आ

राजन इधर आ। माता का कहना मान। माता का आदर कर। भगवान का भजन कर। अपना थाल उठाकर साफ कर। झटपट खाना खा। खाना खाकर बाजार जा। बाजार जाकर लाल-लाल टमाटर और आम ला।

राघव पाठशाला जा। वापस आकर खाना और गाजर का हलवा खा। अपना काम कर। राघव गाय का चारा ला। आकाश पर काला बादल छाया। राजा घर आ। बाहर मत जा।

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को 'आ' की मात्रा वाले शब्दों को उसके चित्रों के साथ अभ्यास करवाएँ।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दी गई 'आ' की मात्रा वाली कविता को बोलकर पढ़िए।

सावन आया सावन आया,
आसमान पर बादल छाया।
काला-काला बादल आया,
छमछम छमछम जल बरसाया।

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) ☐ मामा ☐ राजा ☐ बाजा

(ख) ☐ ताला ☐ छाता ☐ चादर

(ग) 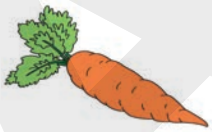 ☐ टमाटर ☐ बाजा ☐ गाजर

3. दिए गए चित्रों को देखकर 'आ' की मात्रा वाले वर्ण भरिए।

(क)

अ............र

(ख)

रा.......

(ग)

अख.......र

(घ)

..............रस

SAMPLE

4. शब्द बनाइए।

(क) ना, धा — म — नाम, ____

(ख) दा, चा — ल — ____, ____

(ग) ता, मा — ला — ____, ____

(घ) खा, गा — ना — ____, ____

5. दिए गए चित्रों को देखकर वाक्यों में 'आ' की मात्रा (ा) लगाइए।

(क)

र···घव विद्य···लय ज···।

(ख)

द···द···जी क··· अ···दर कर।

SAMPLE

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

6. चित्रों को देखकर चिड़ियाघर में पाए जाने वाले छः जानवरों के नाम लिखिए।

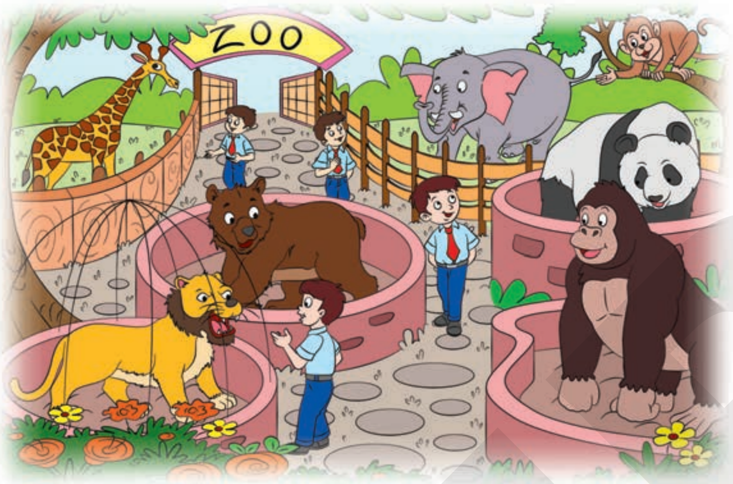

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....
6. ....

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

7. चित्रों को देखकर रंग भरिए।

(क)

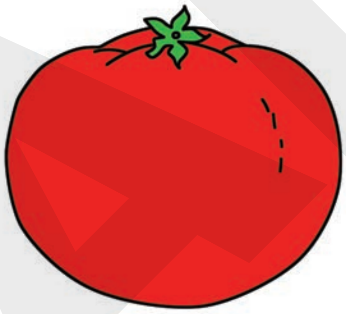

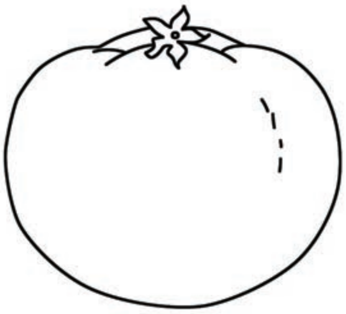

(ख)

SAMPLE

अध्याय 3

'इ' की मात्रा (ि) वाले शब्द

चित्रों को देखकर बताइए कौन हैं हम ?

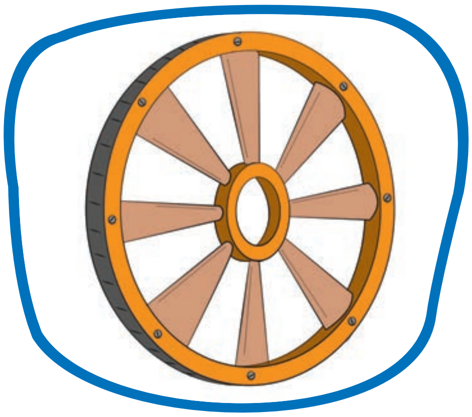

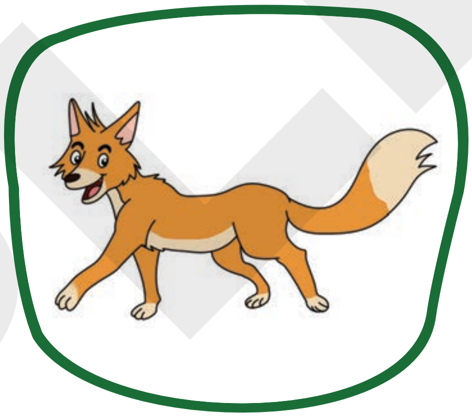

प+ि+ह+य+ा = पहिया	ड+ा+ि+क+य+ा = डाकिया	ि+स+य+ा+र = सियार

केवल पठन हेतु

निधि	चिड़िया	पिन	किशमिश	दिल	तकिया	हिरन
किताब	पिकनिक	सिर	हिसाब	तिल	खटिया	तिथि

श्रुतलेख

लिपट	सिला	हिला	हिसाब	गति
लिपट	सिला	हिला	हिसाब	गति
लिपट	सिला	हिला	हिसाब	गति

SAMPLE

दिन निकल आया

दिन निकल आया। किरण अब जाग। चादर, तकिया रख। खटिया उठा। मालिश कर, फिर नहा। नितिन, जतिन, किशन व बिशन आ गए। नितिन सितार लाया। किशन गिटार लाया। राम भजन कर। फिर सब मिलकर खाना।

नितिन, अब किताब ला। कविता पढ़। दिन निकल आया। किसान काम पर निकला। चिड़िया गाना गा। चिड़िया तिनका ला। सिमरन भागकर जा। चिड़िया पकड़। किरण गाना बजा।

डाकिया आया चिट्ठी लाया

यह रवि का निवास था। रविवार का दिन था। डाकिया साइकिल पर आया। टिकट लगा लिफाफ़ा लाया। किसका पत्र आया? शशि लिफाफ़ा दिखा। पत्र विकास का था। पत्र पर हमारा पता लिखा था।

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को 'इ' (ि) की मात्रा वाले शब्दों का अभ्यास करवाएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए
Speaking Skills

1. दिए गए शब्दों को बोलकर पढ़िए।

डाकिया   चिड़िया   साइकिल   बिटिया   पहिया

ज़रा लिखिए
Writing Skills

2. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) सिमरन भागकर क्या पकड़ने गई?

☐ बछिया ☐ चिड़िया ☐ तितली ☐ हिरन

(ख) डाकिया किस दिन आया?

☐ रविवार ☐ शनिवार ☐ मंगलवार ☐ सोमवार

(ग) भजन कौन कर रहा है?

☐ किरण ☐ राम ☐ शिव ☐ सिमरन

3. दिए गए चित्रों को पहचान कर शब्द पूरे कीजिए।

(क) 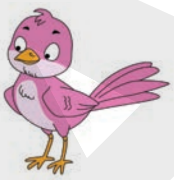

..................या

(ख)

त..................या

(ग)

साइ..................ल

4. चित्र पहचानकर उनका नाम लिखकर वाक्य पूरे कीजिए।

(क) राधिका .... मत चला।

(ख) हरि .... पढ़।

(ग) नमिता .... पर बैठ।

SAMPLE

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. अपनी कक्षा में पढ़ने वाले किन्हीं पाँच बच्चों के नाम लिखिए, जिनके नाम में 'इ' की मात्रा का प्रयोग होता है।

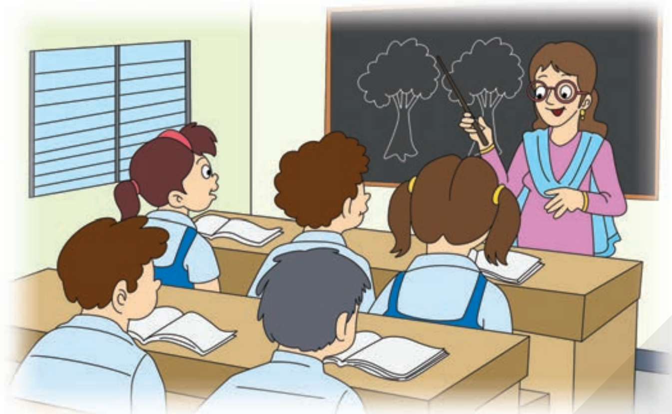

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

6. सही मिलान कीजिए।

(क)

(i) हिरन

(ii) बछिया

(iii) किला

(iv) लिफाफा

(ख)

(ग)

(घ)

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

7. दिए गए चित्र को देखकर उसमें रंग भरिए।

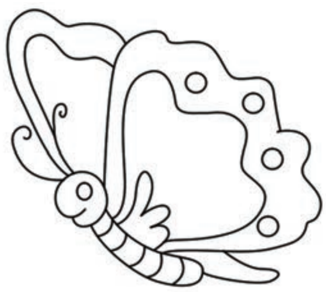

SAMPLE

'ई' की मात्रा (ी) वाले शब्द

चित्रों को देखकर बताइए कौन हैं हम ?

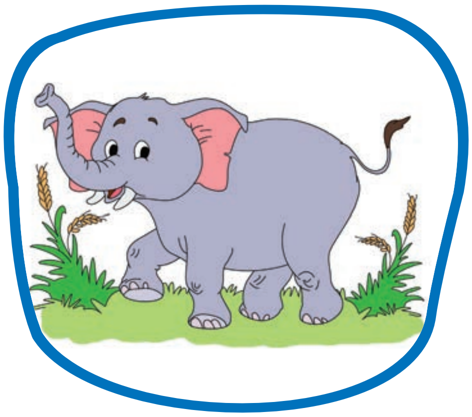

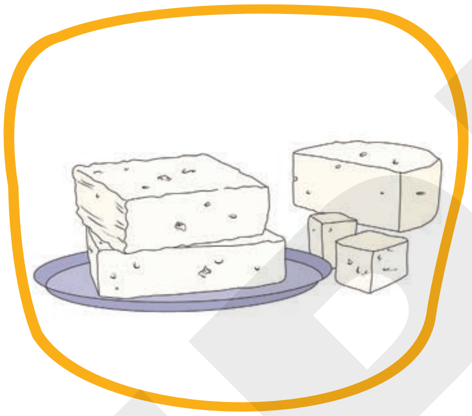

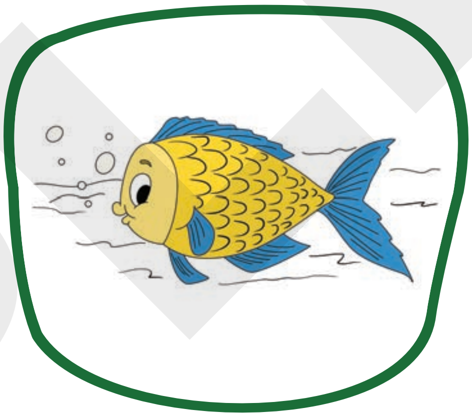

ह+ा+थ+ी = हाथी	प+न+ी+र = पनीर	म+छ+ल+ी = मछली

केवल पठन हेतु

नकली	माली	पीतल	नीर	नगीना	पानी	पनीर
शरीर	थाली	शीतल	नानी	पसीना	वीर	असली

श्रुतलेख

नील	टीला	गीला	खाली	डाली
नील	टीला	गीला	खाली	डाली
नील	टीला	गीला	खाली	डाली

SAMPLE

माली

एक माली था। जिसका नाम महावीर था। वह आलसी व लालची था। उसकी बीवी का नाम मीता था। वह भी हठीली व लालची थी। उनकी एक लड़की थी। उसका नाम मीरा था। मीरा सीधी–सादी लड़की थी। मीरा गाना गाती थी। मीरा पपीता, खीरा, ककड़ी व नाशपाती खाती थी। नाशपाती मीठी थी। पपीता फीका था। मीरा ने तीन नाशपाती खाईं। मीरा ने ककड़ी भी खाई। ककड़ी खाकर पानी मत पी। मीरा आलसी मत बन। मीरा बाजार जाकर मिठाई ला। मीरा ने मीठी खीर बनाई। नानी मीठी–मीठी खीर खा। नानी ने खीर खा कर परी की कहानी सुनाई।

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को 'ई' (ी) की मात्रा वाले शब्दों को चित्रों के साथ पढ़ाएँ तथा वाक्य बनाना सिखाएँ।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए शब्दों को बोलकर पढ़िए।

महावीर   माली   मीठी   ककड़ी   नाशपाती

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) माली का नाम .... था।

(ख) माली की बीवी .... और .... थी।

(ग) पपीता .... था, नाशपाती .... थी।

(घ) मीरा ने मीठी .... बनाई।

3. चित्रों की सहायता से वाक्यों को पूरा कीजिए।

(क) हरीश .... जला।

(ख) मीरा .... का चारा ला।

(ग) सीता .... उठा।

4. सही मिलान कीजिए।

(क)		(i)	मछली
(ख)		(ii)	दीपक
(ग)		(iii)	लड़की

SAMPLE

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. अपनी कक्षा के उन पाँच बच्चों के नाम लिखिए, जिनके नाम में 'ई' की मात्रा का प्रयोग होता है।

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

6. फूल की उस पंखुड़ी में रंग भरिए, जिसमें 'ई' की मात्रा वाले शब्द हैं।

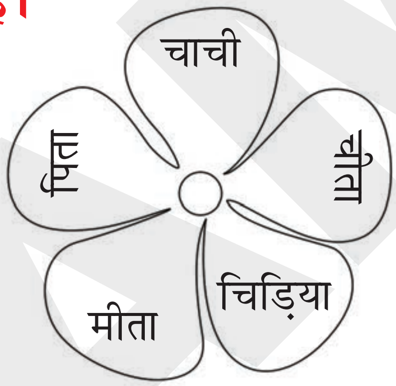

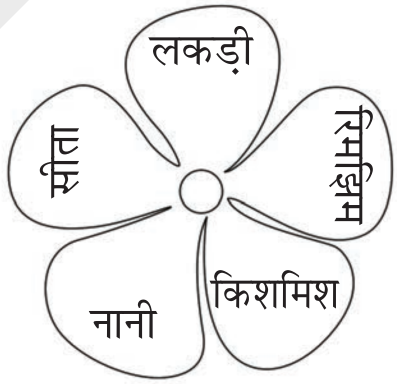

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

7. सही शब्द वाले गुब्बारे में रंग भरिए।

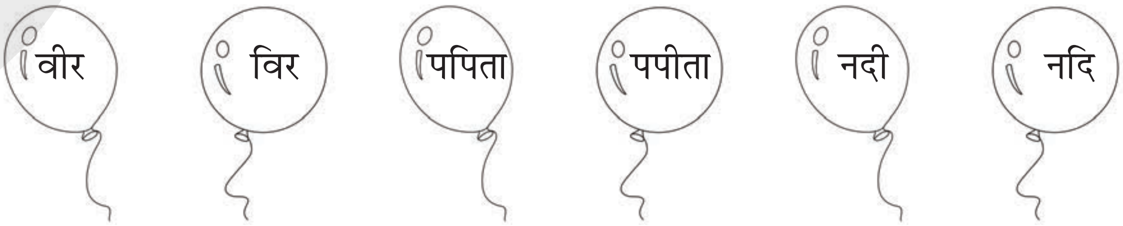

SAMPLE

कार्यविधि-1

आ, इ, ई की मात्राओं को दोहराएँ

'आ' की मात्रा (ा)

अपना पाठ याद कर। आज का काम आज कर। माता का कहना मान। पाठशाला का काम साफ़-साफ़ कर। घर वापस आकर ताजा खाना खा।

'इ' की मात्रा (ि)

विकास किताब पढ़। दिन निकल आया। सिमरन उठ। अनिल साइकिल पर चढ़। बिटिया तकिया उधर रख। अमित गिटार बजा। इधर आकर किताब पढ़।

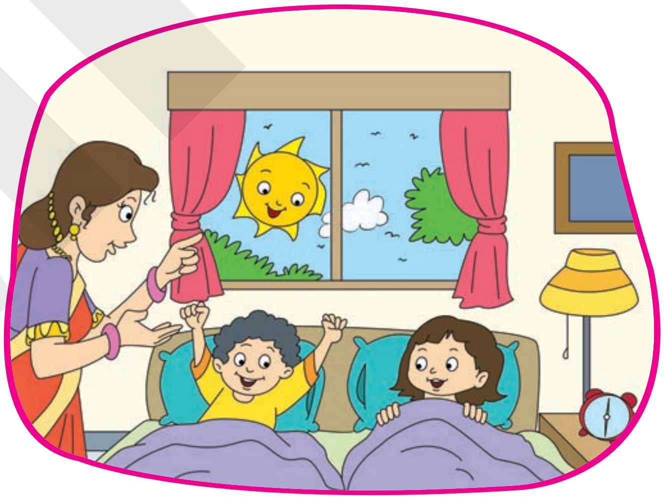

'ई' की मात्रा (ी)

दीवाली आई। नीता दीप जला। सीता बड़ी सीधी-सादी लड़की थी। वह गीत गा रही थी। उसकी आवाज़ बड़ी मीठी थी। गीता दीवाली पर घर आई।

SAMPLE

'उ' की मात्रा (ु) वाले शब्द

चित्रों को देखकर बताइए कौन हैं हम ?

प+ ु+ज+ा+र+ी = पुजारी	ग+ ु+ल+ा+ब = गुलाब	ग+ ु+ि+ड़+य+ा = गुड़िया

केवल पठन हेतु

मुरली	गुनगुना	मनु	मुनिया	गुड़	पुजारी	कुसुम
सुनार	मुकुट	दुम	झुनझुना	चुहिया	लघु	सुपारी

श्रुतलेख

तुम	तनु	खुल	मुड़ना	जुनझुन
तुम	तनु	खुल	मुड़ना	जुनझुन
तुम	तनु	खुल	मुड़ना	जुनझुन

सुमन की गगरी

सुमन अब उठ। सुबह हुई। गगरी उठा। नदी पर जाकर पानी भरकर ला। दातुन कर। साबुन लगाकर मुख और हाथ साफ़ कर। धुला हुआ सलवार कुरता पहन कर बाज़ार जा। एक बुलबुल पेड़ पर आई। बुलबुल का मधुर गीत सुन। बुलबुल का मधुर गीत सुनकर सुमन बहुत खुश हुई।

मधुर तितली

गुलाब पर तितली आई। तितली इधर-उधर फुदक रही थी। मधुर तितली की ओर लपका। तितली किधर गई? तितली गुलाब पर गई। मधुर फिर तितली की ओर लपका, पर तितली फिर उड़ गई। तितली उड़कर फूल पर चली गई।

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में चित्रों के द्वारा बच्चों को 'उ' की मात्रा का अभ्यास करवाएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए
Speaking Skills

1. दिए गए वाक्यों को बोलकर पढ़िए।

नकुल सुबह उठा। फुलवारी जाकर गुलाब ला। गुरु जी के चरण पकड़।

ज़रा लिखिए
Writing Skills

2. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) सलवार कुरता पहनकर सुमन .... गई।

(ख) मधुर .... की ओर लपका।

(ग) तितली उड़कर .... पर चली गई।

3. रेखांकित अक्षरों के नीचे उ की मात्रा (ु) लगाकर शब्दों को पूरा कीजिए।

(क) गलाब = ... (ख) कटिया = ...

(ग) फदक = ... (घ) मधर = ...

ज़रा सोचिए
Critical Thinking

4. सही मिलान कीजिए।

(क)

(i) धनुष

(ii) मुकुट

(ख)

(ग) 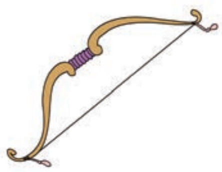

(iii) कुटिया

(iv) कछुआ

(घ)

SAMPLE

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

5. चित्र देखकर वाक्यों को पूरा कीजिए।

(क) 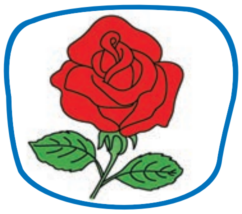 .... खिला। (ख) 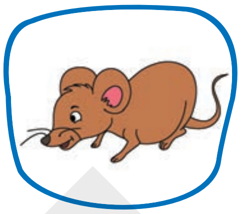 .... भागी।

(ग) .... गीत गा। (घ) 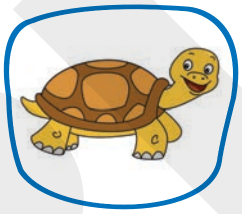 .... भागा।

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

6. रेलगाड़ी के उन डिब्बों में रंग भरिए जिनके शब्दों में (ु) की मात्रा लगी हुई है।

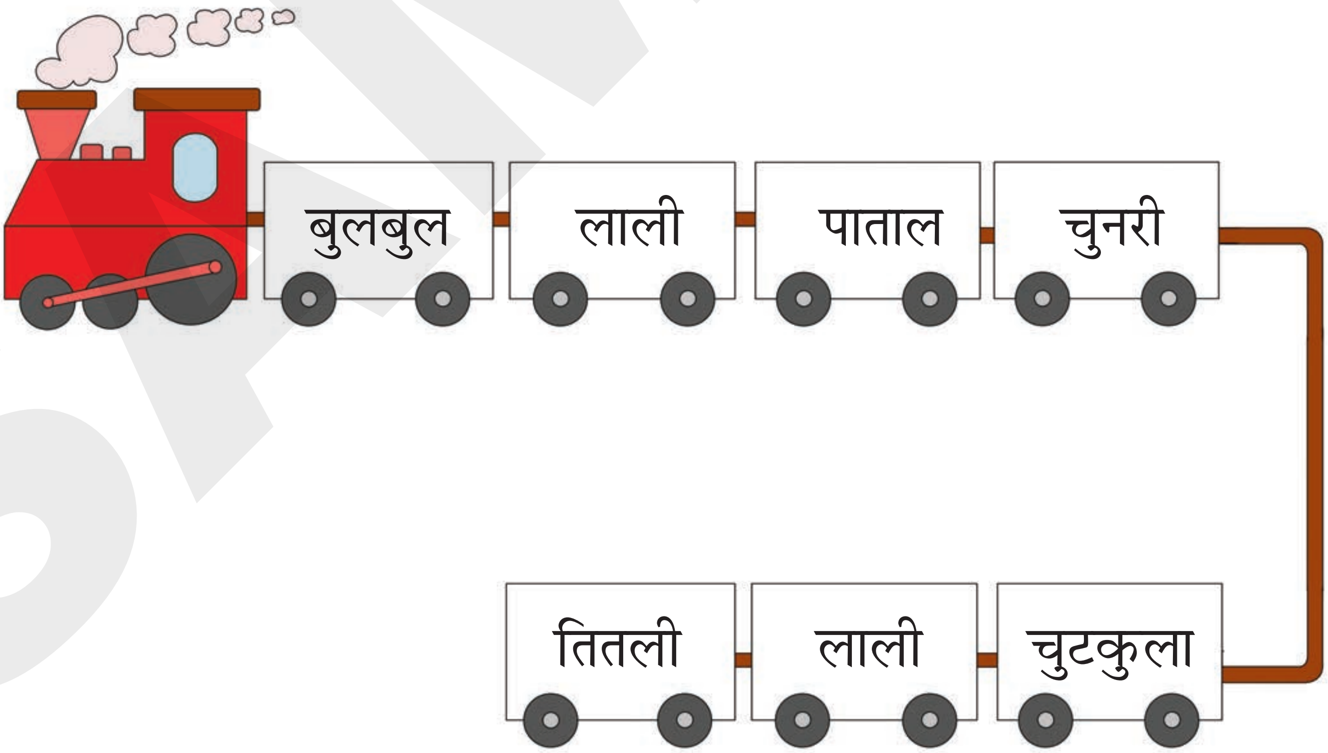

SAMPLE

'ऊ' की मात्रा (ू) वाले शब्द

चित्रों को देखकर बताइए कौन हैं हम ?

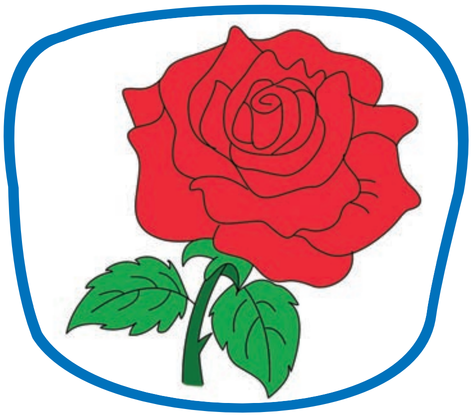

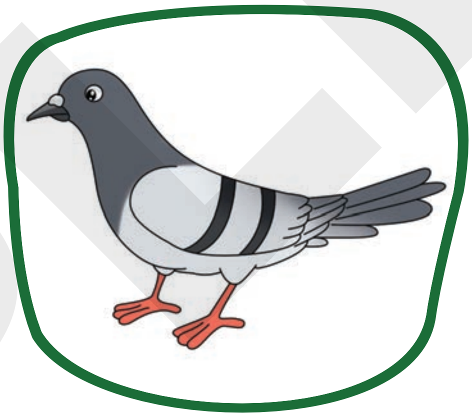

फ+ ू +ल = फूल	झ+ ू +ल+ा = झूला	क+ ब+ ू +त+र = कबूतर

केवल पठन हेतु

छूटना	पूनम	सूरत	सूत	सूखा	मयूर	जूता
सूरज	खजूर	मूरत	पूरब	नमूना	तरबूज़	धूप

श्रुतलेख

धूल	आलू	तराजू	खजूर	तरबूज़
धूल	आलू	तराजू	खजूर	तरबूज़
धूल	आलू	तराजू	खजूर	तरबूज़

SAMPLE

खूब आनंद आया

खूब धूप खिली थी।
मयूर पंख खोलकर नाचा।
कबूतर उड़ गया।
भालू झूमकर नाचा।
तरबूज़, खरबूजा खाया।
सबने खूब मस्ती की।
खूब आनंद आया। बंदर
भालू के पास आया।

भालू नाचा

धूप गई, सूरज डूबा।
राम झूल रहा था झूला।
झूम-झूम कर भालू नाचा।
जादूगर ने जादू दिखाया।
आलू को गायब कर दिखाया।
भालू ने नाच दिखाया।
हम सबको खूब मज़ा आया।

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को 'ऊ' की मात्रा ' ू ' के बारे में समझाएँ। साथ ही, कविता को पढ़कर भी सुनाएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए
Speaking Skills

1. दिए गए शब्दों को बोलकर पढ़िए।

भालू जादूगर कबूतर मयूर नमूना

ज़रा लिखिए
Writing Skills

2. रेखांकित अक्षरों के नीचे ऊ (ू) की मात्रा लगाकर शब्द लिखिए।

(क) भाल = ... (ख) सरज = ...
(ग) मली = ... (घ) काज = ...
(ङ) फल = ... (च) खजर = ...

3. चित्र का नाम लिखकर वाक्यों को पूरा कीजिए।

(क) कुसुम .... काटकर खा।

(ख) सुमन मीठा .... लाई।

(ग) रवि .... लाया।

ज़रा सोचिए
Critical Thinking

4. पढ़िए और शब्दों को शुद्ध करके लिखिए।

(क) सुरज .... (ख) पुरब ....
(ग) धुल .... (घ) पुजा ....

SAMPLE

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

5. दिए गए चित्रों को पहचान कर शब्द पूरे कीजिए।

(क)

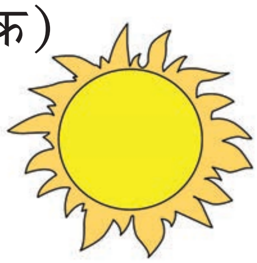

..........रज

(ख)

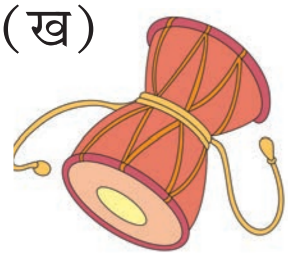

डम..........

(ग)

..........ल

(घ)

..................गर

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

6. शब्दों को पढ़िए और ऊ की मात्रा (ू) वाले शब्दों में रंग भरिए।

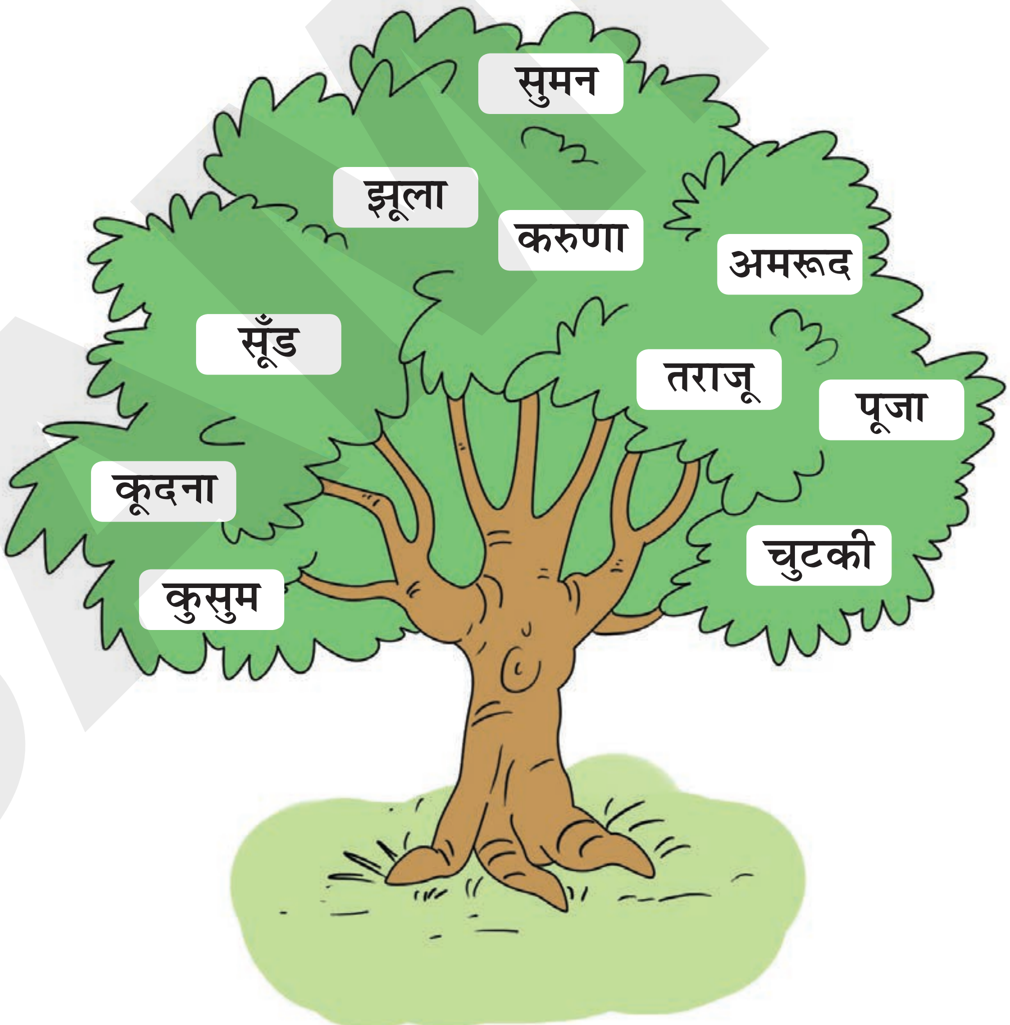

SAMPLE

'ऋ' की मात्रा (ृ) वाले शब्द

चित्रों को देखकर बताइए कौन हैं हम ?

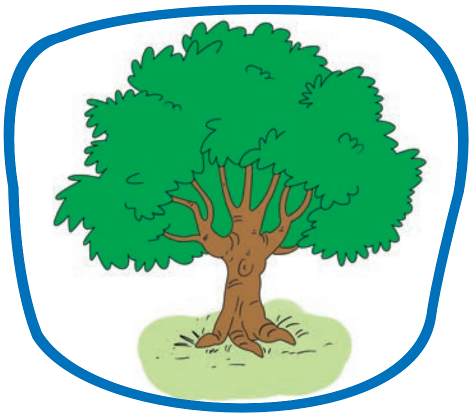

व+ ृ +क्ष = वृक्ष	ग+ ृ +ह = गृह	क+ ृ +ष+क = कृषक

केवल पठन हेतु

कृतज्ञ	नृप	प्रकृति	वृत्त	कृपण	कृपा	कृपाण
मृदुल	पृथक	बृजेश	तृण	सृजन	अमृत	मृग

श्रुतलेख

बृजेश	अमृत	पृथक	मृग	नृप
बृजेश	अमृत	पृथक	मृग	नृप

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को 'ऋ' की मात्रा से युक्त शब्दों को समझाएँ। साथ ही उनका वाक्यों में प्रयोग के तरीके भी बताएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

1. दिए गए वर्णों व मात्राओं को मिलाकर लिखिए।

(क) त + ृ + ण = ...

(ख) अ + म + ृ + त = ...

(ग) प + ृ + थ + क = ...

(घ) म + ृ + द + ु + ल = ...

2. चित्रों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) .... जंगल में रहता है।

(ख) .... की छाया में पथिक बैठा।

(ग) .... बहुत सुंदर था।

3. चित्र को देखकर रंग भरिए।

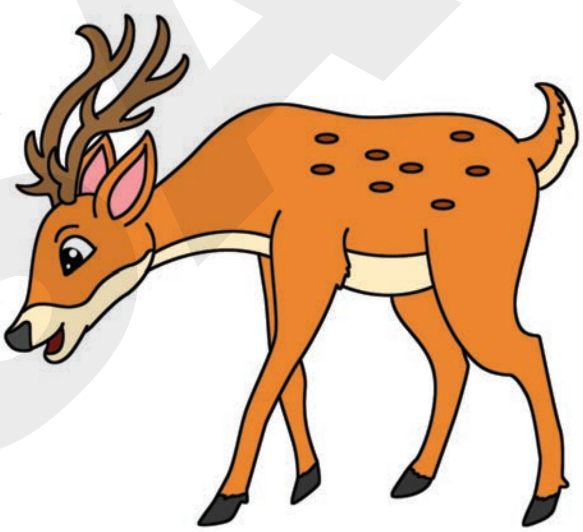

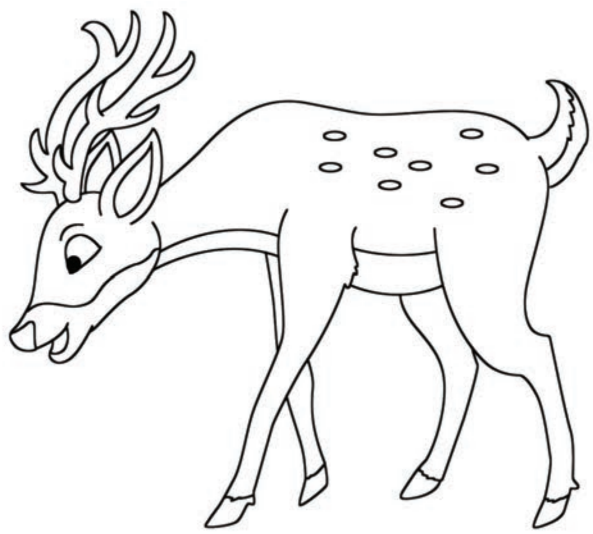

SAMPLE

अध्याय 8

'ए' की मात्रा (े) वाले शब्द

चित्रों को देखकर बताइए कौन हैं हम ?

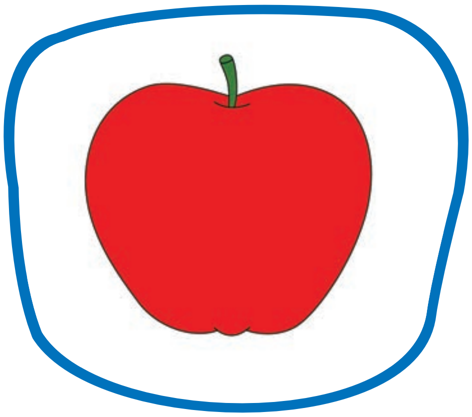

स+ े+ब = सेब	म+ े+ल+ा = मेला	ठ+ठ+ े+र+ा = ठठेरा

केवल पठन हेतु

सपने	अपने	देर	बढ़े	सवेरा	मेहमान	सहेली
लालटेन	शेर	घेरा	चढ़े	मेरा	बसेरा	चमेली

श्रुतलेख

पेठा	हवेली	सपेरा	महेश	लेटते
पेठा	हवेली	सपेरा	महेश	लेटते
पेठा	हवेली	सपेरा	महेश	लेटते

SAMPLE

मेला

रमेश व रेशम भाई–बहन थे। वे एक साथ खेलते थे। महेश तथा रमेश गहरे मित्र थे। वे एक ही कक्षा के छात्र थे। सावन का महीना था। नदी किनारे मेला लगा था। रमेश, रेशम तथा महेश भी मेला देखने गए। रेशम की सहेली सेजल भी मिल गई। मेले में एक सरकस था। वे टिकट लेकर भीतर गए। भालू काले व बड़े–बड़े जूते पहन कर आया। भालू ऐनक भी लगा कर आया। सब बड़े खुश थे। हलवाई की दुकान से जलेबी व पेड़े खरीदे। रेशम ने केले खरीदे। सब खेलते–कूदते घर वापस आ गए।

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को 'ए' की मात्रा (े) से बनने वाले शब्दों का अभ्यास कराएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए शब्दों को बोलकर पढ़िए।

सवेरा ममेरा चचेरा लातेहार चमेली

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. चित्र पहचानकर सही शब्द पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क)
- ☐ सैब
- ☐ सेब

(ख)
- ☐ सपेरा
- ☐ सपैरा

(ग)
- ☐ बेर
- ☐ बैर

(घ)
- ☐ रैल
- ☐ रेल

3. रेखांकित अक्षरों के नीचे 'ए' की मात्रा (े) लगाकर शब्द लिखिए।

(क) सपन = ...
(ख) बसरा = ...
(ग) महमान = ...
(घ) लालटन = ...
(ङ) गणश = ...
(च) सवरा = ...
(छ) ममरा = ...
(ज) कला = ...

4. दिए गए वर्णों व मात्राओं को मिलाकर लिखिए।

(क) र + े + श + म = ...
(ख) ए + े + न + क = ...
(ग) च + म + े + ल + ी = ...
(घ) ल + ा + ल + ट + े + न = ...
(ङ) अ + ल + ब + े + ल + ी = ...

SAMPLE

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. पढ़िए और सही शब्द लिखिए।

(क) सु
रे + श
न

....

....

(ख) मं
जे + श
रा

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

6. राहुल किस प्रकार अपने दादा जी के पास पहुँच पाएगा?

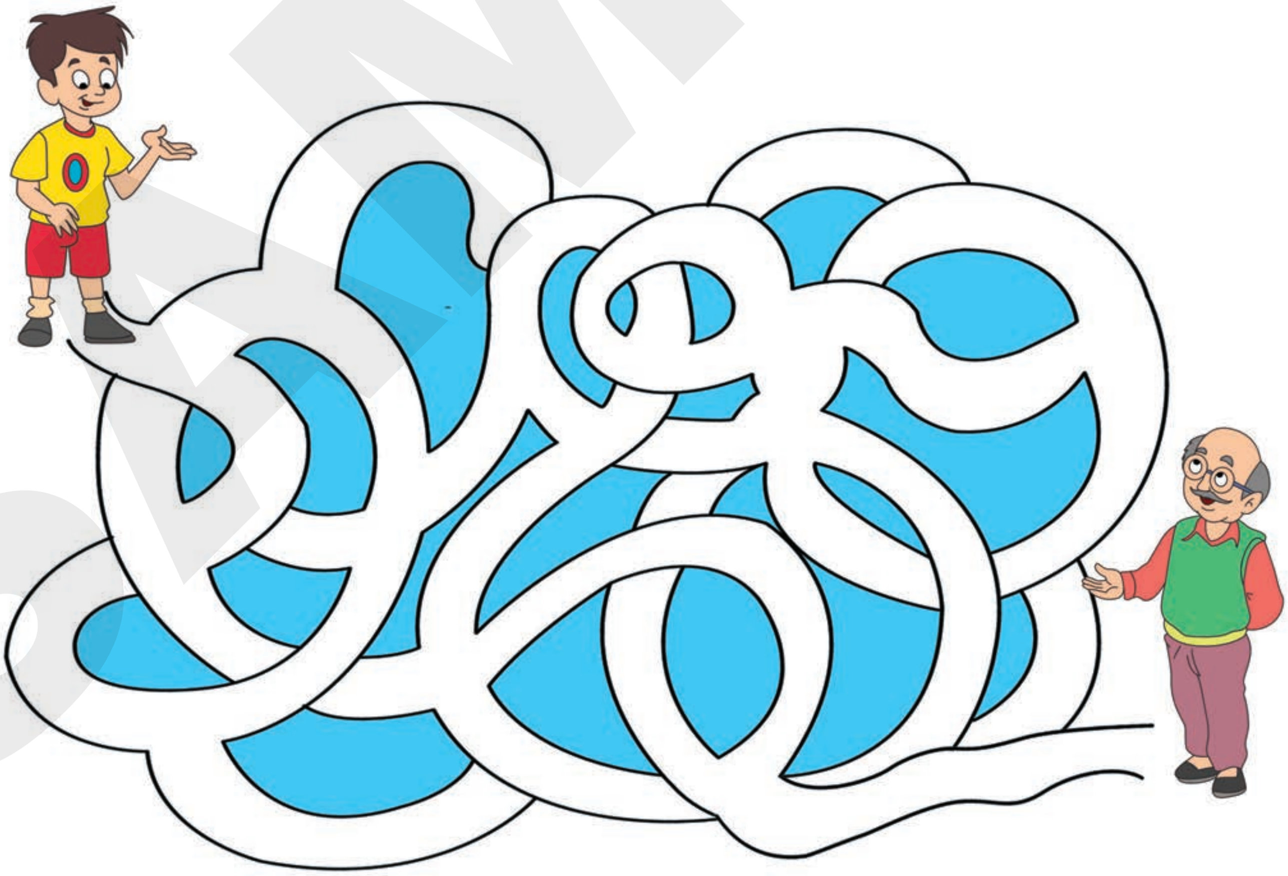

SAMPLE

'ऐ' की मात्रा (ै) वाले शब्द

चित्रों को देखकर बताइए कौन हैं हम ?

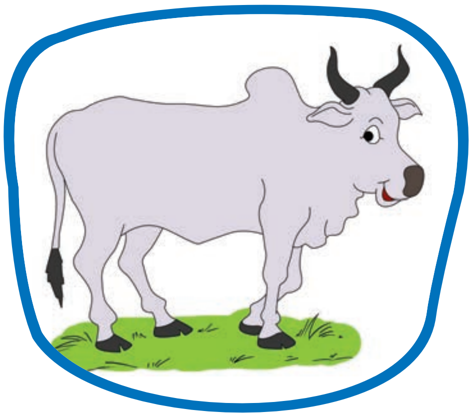

ब+ ै+ल = बैल	म+ ै+न+ा = मैना	त+ ै+र+ा+क = तैराक

केवल पठन हेतु

सैर	मैना	फैला	पैर	तैर	मैला	हैरान
कसैला	तैरना	मैदान	तैराक	छैला	बैर	कैलाश

श्रुतलेख

सैर	कसैला	हैरान	तिलैया	मटमैला
सैर	कसैला	हैरान	तिलैया	मटमैला
सैर	कसैला	हैरान	तिलैया	मटमैला

SAMPLE

शैलेश की कुशलता

शैलेश मेरा साथी है। वह सुबह सैर करने जाता है। वह नदी किनारे मैदान में पैदल सैर करता है। वह कुशल तैराक है। वह नदी में तैरता है। शैलेश ने एक गाय पाल रखी है। गाय का एक बछड़ा भी है। बछड़ा बड़ा होकर बैल बनता है। शैलेश की माता गाय की सेवा करती है।

शैलेश में सैनिक जैसा साहस है। वह किसी से बैर नहीं रखता। एक दिन उसने एक डकैत पकड़ा। उसने डकैत की खूब पिटाई की। फिर पुलिस के हवाले कर दिया। डकैत कैदखाने में डाल दिया गया। ठीक ही कहा गया है– "बुरे काम का बुरा नतीजा।"

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को 'ऐ' की मात्रा (ै) से बनने वाले शब्दों के संबंध में बताएँ। साथ ही पाठ में दिए गए कहानी में प्रस्तुत 'ऐ' की मात्रा वाले शब्दों को समझाएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए शब्दों को बोलकर पढ़िए।

सैनिक   तैराक   कैलाश   शैलजा   मटमैला

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) शैलेश रोज सुबह कहाँ जाता था?
शैलेश रोज सुबह .... जाता था।

(ख) शैलेश ने किसे पकड़ा?
शैलेश ने .... को पकड़ा।

(ग) बछड़ा कब बैल बन जाता है?
बछड़ा .... होकर बैल बन जाता है।

3. रेखांकित अक्षरों के नीचे 'ऐ' की मात्रा (ै) लगाकर शब्द लिखिए।

(क) मला = ...   (ख) थला = ...
(ग) मदान = ...   (घ) तरना = ...
(ङ) बर = ...   (च) सर = ...

4. चित्र देखकर वाक्यों को पूरा कीजिए।

(क) भैया .... पर बैठा है।

(ख) शैलेश एक बढ़िया .... है।

(ग) कैलाश .... है।

SAMPLE

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. चित्रों को पहचानकर उनके नाम लिखिए।

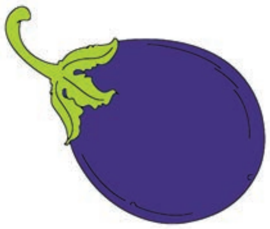

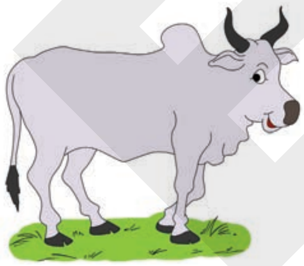

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

6. 'ए' और 'ऐ' की मात्रा वाले शब्दों को अलग-अलग लिखिए।

रेल	मैदान	बैलगाड़ी	सैनिक	शेर	देश	पैसा
कैदी	तैनात	सुलेख	बैल	भेड़	चमेली	खेल

'ए' 'ऐ'

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

7. चित्र को देखकर रंग भरिए।

SAMPLE

कार्यविधि-2

उ, ऊ, ए, ऐ की मात्राओं को दोहराएँ

'उ' की मात्रा (ु)

मुदित सुबह हुई। साबुन लगाकर नहा। धुला कुरता पहन। गुड़िया उठा। कुसुम खुरपा ला। गुलाब लगा। बुलबुल का गाना सुन।

'ऊ' की मात्रा (ू)

सूरज निकला धूप खिली। मीतू पूजा कर। खूबसूरत फूल चढ़ा। मंटू बाज़ार जा। खजूर, चीकू, आड़ू, अमरूद, खरबूजा, तरबूज़ ला।

'ए' की मात्रा (े)

मेघा, राकेश व नरेश मेला देखने गए। मेले में ठेले वाले केले, सेब, जलेबी आदि बेच रहे थे। केतन भी रमेश के साथ आया। उसने कई खेल-तमाशे देखे।

'ऐ' की मात्रा (ै)

शहर से भैया आया। बैलगाड़ी साथ लाया। सबने थैला खोला, मिठाई खाई। हैदर बैलगाड़ी से मैनपुरी गया। बैलगाड़ी की सवारी का मज़ा उठाया।

SAMPLE

'ओ' की मात्रा (ो) वाले शब्द

चित्रों को देखकर बताइए कौन हैं हम ?

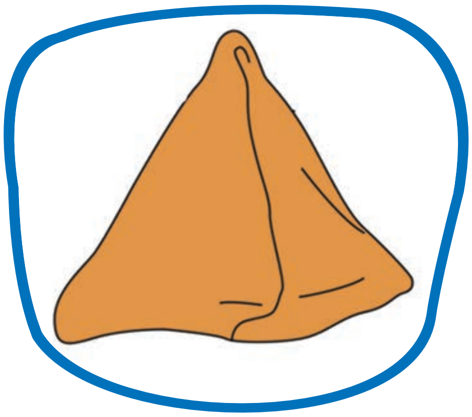

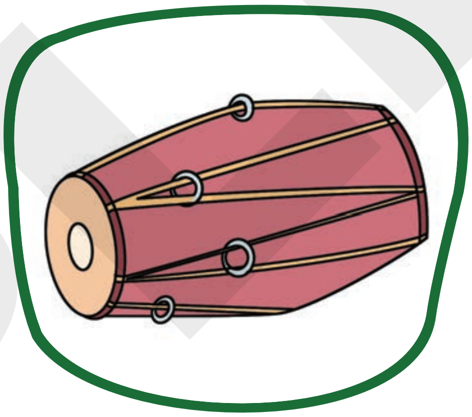

स+म+ो+स+ा = समोसा	त+ो+त+ा = तोता	ढ+ो+ल+क = ढोलक

केवल पठन हेतु

छोर	कोट	शोर	धोती	लोमड़ी	छोटा	कोटर
कठोर	मोटा	भरोसा	चोर	नोट	ठोकर	भोर

श्रुतलेख

होली	समोसा	बोतल	कोयल	दोपहर
होली	समोसा	बोतल	कोयल	दोपहर
होली	समोसा	बोतल	कोयल	दोपहर

SAMPLE

चतुर लोमड़ी

होली का दिन था। चालाक लोमड़ी ने खरगोश से कहा– "मेरे दोस्त, आओ, तुम भी होली खेलो। कल की बात छोड़ो। अब मुझे और मत सताओ। वन से मोटी–मोटी लकड़ी चुनकर लाओ। होली जलाओ। होली मनाओ। थोड़ा–सा गुलाल मुझे भी लगाओ। फिर गले लग जाओ। होली के दिन खेलो, कूदो, नाचो और गाओ। चाहो तो ढोल भी बजाओ। आपस का बैर मिटाओ।"

खरगोश बोला, "ना बाबा ना। तोता भोला था। उसने ज़ोर–ज़ोर से शोर मचाया था। वह रोया था। तब भी तुमने उसे न छोड़ा। उसे मार कर खा गयी। लोमड़ी रानी, तुम बहुत चालाक हो। माफ़ करो। तुम अपने घर जाओ। मुझे अपने घर जाने दो।" कहकर खरगोश भाग गया। सचमुच! चालाक का भरोसा कभी न करो।

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को 'ओ' की मात्रा वाले शब्दों का अभ्यास कराएँ।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए शब्दों को बोलकर पढ़िए।

मोहन सरोज कोयल गोल लोटा

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. चित्रों को पहचानकर शब्द पूरे कीजिए।

(क)

.... ट

(ख)

.... ट

(ग) 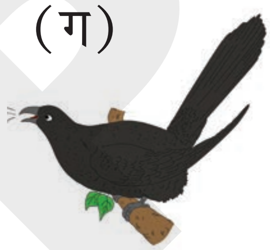

.... यल

(घ) 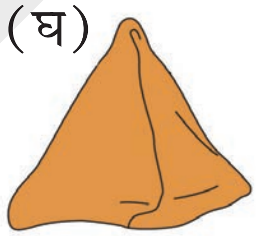

स .... सा

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

3. चित्र को देखकर रंग भरिए।

SAMPLE

अध्याय 11

'औ' की मात्रा (ौ) वाले शब्द

चित्रों को देखकर बताइए कौन हैं हम?

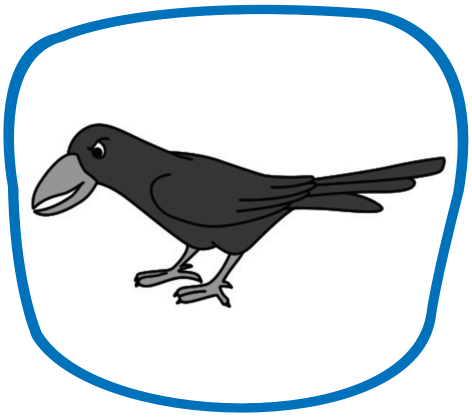

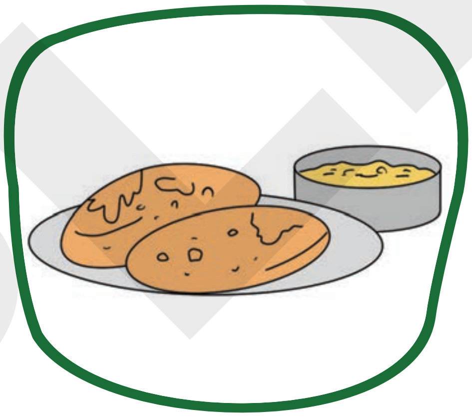

क+ौ+अ+ा = कौआ	न+ौ+क+र = नौकर	क+च+ौ+ड़+ी = कचौड़ी

केवल पठन हेतु

चौरस	कौड़ी	रौनक	कौन	फौज	खिलौना	फौलाद
नौका	मौका	कचौड़ी	बिछौना	मौज़	औलाद	चौका

श्रुतलेख

गौरी	पकौड़ा	सौदागर	शौचालय	चौरस
गौरी	पकौड़ा	सौदागर	शौचालय	चौरस
गौरी	पकौड़ा	सौदागर	शौचालय	चौरस

SAMPLE

रौनक के घर आए मेहमान

देखो, कौन आया है? रौनक से कहो, दरवाज़ा खोले। अरे, यह तो गौरी दीदी हैं। साथ में मौसा–मौसी भी हैं। ये लोग जौनपुर से आए हैं, साथ में सौरव भी आया है। रौनक, मौसी का सामान भीतर रख। दौड़कर माता जी से कह– कचौड़ी, पकौड़ी व लौकी का रायता बना लेंगी। मौली गुसलखाने में चौकी, साबुन रख दो। तौलिया भी रख देना। सौदाराम पानी गरम कर।

मौसी बहुत–से खिलौने लायी हैं। सबको एक–एक खिलौना मिलेगा। रौनक और सौरव दोनों खिलौनों के साथ खेलेंगे। मौली सबको भोजन परोस दो। सबने गरम–गरम कचौड़ी, पकौड़ी व लौकी का रायता खाया। चौबे जी चौकी पर बैठे थे। एक कौआ आया। पकौड़ी लेकर उड़ गया। चौबे जी देखते रह गए।

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को 'औ' की मात्रा वाले शब्दों का अभ्यास कराएँ।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए शब्दों को बोलकर पढ़िए।

शौक   माहौल   तौफ़ीक   पौधा   नौका

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए शब्दों में ' ौ ' की मात्रा लगाकर नया शब्द बनाइए।

(क) गोरी = ...गौरी........   (ख) लोट = ...

(ग) शोक = ...   (घ) खोलना = ...

(ङ) ओर = ...   (च) तोलिया = ...

3. सही मिलान कीजिए।

(क)

(i) कौआ

(ख)

(ii) लौकी

(ग)

(iii) पौधा

(घ) 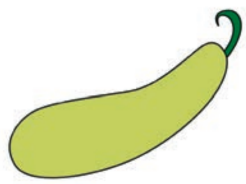

(iv) खिलौना

4. दिए गए शब्दों में उपयुक्त 'ओ' या 'औ' की मात्रा लगाइए।

(क) हथ.......ड़ा   (ख) क.......ड़ी   (ग) क.......आ

(घ) प.......धा   (ङ) च.......का   (च) स.......दा

(छ) कच.......ड़ी   (ज) फ़.......जी   (झ) म.......ली

SAMPLE

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. शब्द बनाइए।

(क) मौ — न — ○

(ख) बि — ○ — ना — लौ — खि

....

(ग) नौ — क — ○, क — र

(घ) ○ — ला — औ, ला — द

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

6. हम सब मौसम के अनुसार अलग-अलग वस्तुएँ प्रयोग करते हैं। जिस वस्तु का संबंध जिस मौसम से होता है, उनका मिलान कीजिए।

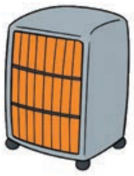

SAMPLE

अध्याय 12 'अनुस्वार' की मात्रा (ं) वाले शब्द

चित्रों को देखकर बताइए कौन हैं हम ?

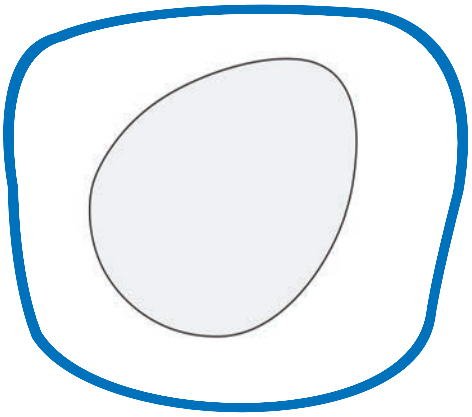

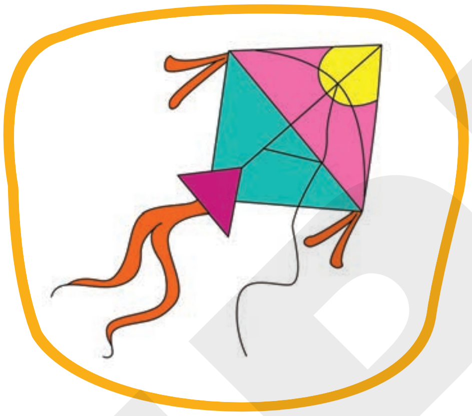

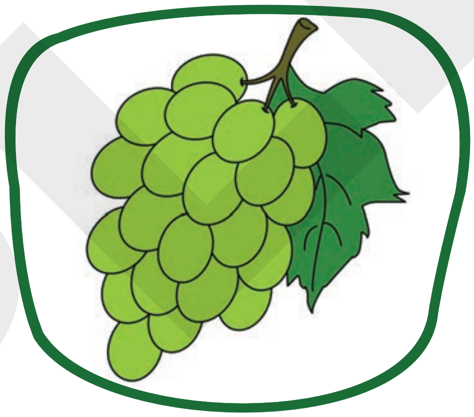

अ+ ं +ड+ा = अंडा	प+त+ ं +ग = पतंग	अ+ ं +ग+ ू +र = अंगूर

केवल पठन हेतु

पंख	झंडा	कंठ	शंख	अंदर	जंगल	हंस
पंडा	पंजा	बंदर	मंगल	डंडा	बंदूक	लंगूर

श्रुतलेख

शंख	पंखा	झुंड	मंगल	झंकार
शंख	पंखा	झुंड	मंगल	झंकार
शंख	पंखा	झुंड	मंगल	झंकार

SAMPLE

दिन निकल आया

यह कृष्ण भगवान का मंदिर है। मंदिर की चोटी पर केसरिया रंग का झंडा लहरा है। मंदिर के बगीचे में मोर घूम रहा है। मंदिर गंगा किनारे स्थित है। गंगा का पानी बहुत ठंडा है। संजय, मंगल और संगीता मंदिर में गए। तीनों ने मंदिर का घंटा बजाया। शंख बजाया। पंडित जी ने सबको अंगूर दिए। बाहर पेड़ पर लंगूर और बंदर बैठे थे। संजय और मंगल ने बंदरों को अंगूर दिए। अंगूर लेकर बंदर पेड़ पर चढ़ गए।

'उड़ी पतंग'

उड़ती खोलकर अपने पंख,
जगाती सबके मन में उमंग।
आओ मिलकर उड़ाएँ पतंग,
आकाश में भर दें अपने रंग।।

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को 'अं' की मात्रा वाले शब्दों का अभ्यास कराएँ।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए
Speaking Skills

1. दिए गए शब्दों को बोलकर पढ़िए।

हुंकार   अहंकार   कंठ   मंदार   मंसूर

ज़रा लिखिए
Writing Skills

2. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) मंदिर किस भगवान का था?

☐ हनुमान   ☐ शंकर   ☐ विष्णु   ☐ कृष्ण

(ख) मंदिर की चोटी पर किस रंग का झंडा लगा हुआ था?

☐ हरा   ☐ केसरिया   ☐ लाल   ☐ पीला

(ग) पेड़ पर कौन बैठा था?

☐ लंगूर   ☐ शेर   ☐ बिल्ली   ☐ कौआ

ज़रा सोचिए
Critical Thinking

3. सही मिलान कीजिए।

(क) अंगूर	(i) ठंडा
(ख) पंडित	(ii) लंगूर
(ग) गंगा का पानी	(iii) मंदिर

SAMPLE

अध्याय 13 'विसर्ग' की मात्रा (:) वाले शब्द

चित्रों को देखकर बताइए कौन हैं हम ?

त+प+: = तप:	प्र+ा+त+: = प्रात:	द+ ु + : + ख = दु:ख

केवल पठन हेतु

छ:	अत:	पुन:	नम:	प्रात:	शब्दश:	नि:सहाय
प्राय:	अंतत:	फलत:	मूलत:	स्वत:	दु:साहस	नि:संकोच

प्रातः काल

रोज प्रात: छ: बजे उठो। राम प्राय: सैर को जाता है। इस पाठ को पुन: पढ़ो। नि:सहाय की सहायता करो। झूठ बोलने का दु:साहस मत करो। नि:संकोच कहो।

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को 'विसर्ग' की मात्रा वाले शब्दों का उच्चारण करना सिखाएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए शब्दों को बोलकर पढ़िए।

प्राय: प्रात: नम: पुन: नि:संकोच

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) .... उठकर पढ़ना चाहिए। (प्राय:/प्रात:)

(ख) पाठ .... पढ़िए। (पुन:/नम:)

(ग) तुम .... आगे बढ़ो। (दु:खी/नि:संकोच)

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

3. सही मिलान कीजिए

(क) (i) तप:

(ख) (ii) नम:

(ग) (iii) प्रात:

SAMPLE

कार्यविधि-3

ओ, औ, अं तथा अः की मात्राओं को दोहराएँ

‘ओ’ की मात्रा (ो)

गोपाल, मोनू और सोहन तीनों भाई थे। गोपाल के पास अशोक आया। दोनों धोबी के पास गए। धोबी कपड़े धो रहा था। चोर चोरी करके भाग गया था।

‘औ’ की मात्रा (ौ)

रैना को नहाना है। चौकी रख लोटा ला। धोती और तौलिया ला। साबुन भी रख। गौरी दौड़कर आई। चौकी लाई। तौलिया और साबुन लाई। रैना ने गौरी की पीठ थपथपाई।

‘अं’ अनुस्वार की मात्रा (ं)

गंगा किनारे अंगूर का बगीचा था। अंगूर की बेलों पर मीठे-मीठे अंगूर लटक रहे थे। लंगूर अंगूर खाने की ताक में था।

‘अः’ विसर्ग की मात्रा (:)

प्रातः छः बजे उठो। प्रात:काल सैर को जाओ। सूरज को नमः करो। अपना पाठ पुनः याद करो। किसी को दु:ख मत दो।

SAMPLE

पिकनिक
(कहानी)

रविवार का दिन था। आज किसी को भी काम पर नहीं जाना था। सब मौज़-मस्ती करना चाहते थे। बिल्ली बोली- ''चलो, आज हम सब पिकनिक मनाएँ।'' चूहा, चिड़िया, चींटी सभी एक स्वर में बोल पड़े- ''हाँ, हाँ चलो, पिकनिक मनाएँ। आज कुछ अच्छा बनाएँ।''

बिल्ली बोली- ''मैं दूध लाऊँगी।'' चूहा बोला- ''मैं चावल लाता हूँ।'' चींटी ने कहा ''मैं चीनी ले आऊँगी।'' चिड़िया बोली- ''मैं लकड़ी चुन लाती हूँ।'' सब ने कहा- ''चलो, आज खीर बनाएँ।'' बरगद के पेड़ के नीचे सभी अपना-अपना सामान लेकर पहुँचे। सब ने मिलकर आग जलाई।

बिल्ली ने पतीले में दूध को गरम किया। चूहे ने चावल साफ़ कर गरम

SAMPLE

दूध में डाल दिया। दूध में चावल पकने लगा। थोड़ी देर में ही वहाँ खुशबू फैलने लगी। खीर की खुशबू से सभी के मुँह में पानी आने लगा। चीनी डालते हुए बिल्ली बोली- "लो, खीर तैयार हो गई।"

चूहा बोला- "मुझसे तो अब रहा नहीं जाता। थोड़ा चखने को जी चाहता है।" चिड़िया ने डाँट लगाई। "थोड़ा धैर्य रखो, जीभ जल जाएगी।"

थोड़ी देर में सब खाने बैठे। खाते-खाते सब बोल पड़े- "वाह! कितनी स्वादिष्ट खीर है। कितनी बढ़िया खीर है। आज तो मज़ा ही आ गया"

शब्दार्थ

पिकनिक - सैर-सपाटा स्वादिष्ट - जिसका स्वाद अच्छा है

उच्चारण करें

खुशबू बढ़िया जीभ खीर बिल्ली

श्रुतलेख

चावल पतीला दूध पिकनिक

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को पाठ पढ़ाते हुए बच्चों से उनकी पसंद के बारे में पूछें।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) हम पिकनिक किस दिन मनाते हैं?

(ख) पिकनिक मनाने के लिए कौन बोला?

(ग) खीर कैसी थी?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) पिकनिक किस दिन मनाई गई?

....

(ख) बिल्ली क्या लाई?

....

(ग) चावल कौन लाया?

....

(घ) सबने मिलकर क्या बनाया?

....

3. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

दिन   दूध   स्वादिष्ट   पिकनिक

(क) रविवार का .... था।

SAMPLE

(ख) सबने कहा- चलो, आज .... मनाएँ।

(ग) बिल्ली ने पतीले में .... को गरम किया।

(घ) वाह! कितनी .... खीर है।

ज़रा सोचिए
Critical Thinking

4. हम रविवार को ही पिकनिक क्यों मनाते हैं?

ज़रा दिमाग लगाइए
Brain Storming Activity

5. खीर बनाने के लिए जिन-जिन चीज़ों की ज़रूरत होती है। उन पर (✓) का चिह्न लगाइए।

☐ दूध	☐ चीनी	☐ गेहूँ
☐ दही	☐ नमक	☐ चावल

ज़रा रंग भरिए
Art Integrated Activity

6. चित्रों को देखकर रंग भरिए।

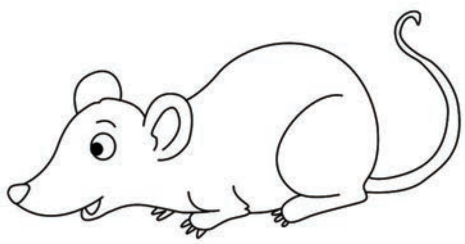

SAMPLE

अध्याय 15

हंस किसका?

(कहानी)

बहुत समय पहले की बात है। सिद्धार्थ नाम का एक बालक था, जो बड़ा होकर महात्मा बुद्ध के नाम से प्रसिद्ध हुआ। एक बार सिद्धार्थ बगीचे में टहल रहे थे। अचानक एक हंस उनके पास आकर गिरा।

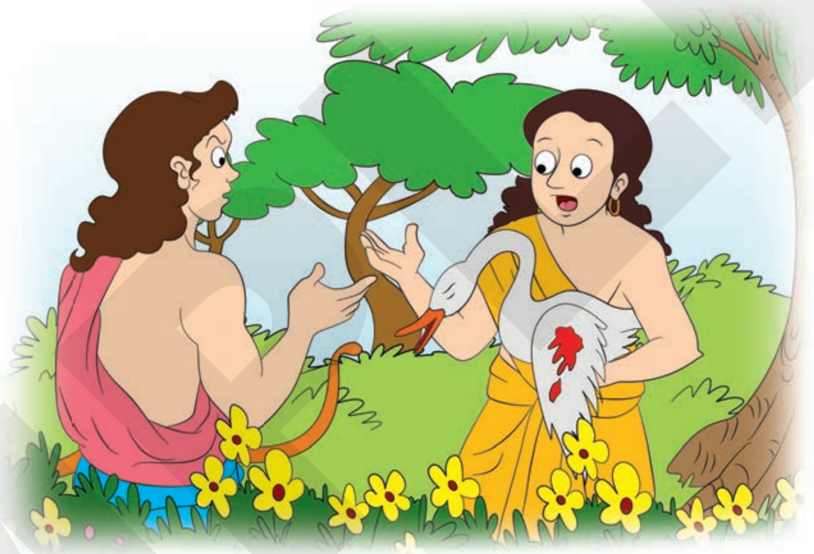

हंस छटपटा रहा था। उसके शरीर से रक्त बह रहा था। सिद्धार्थ स्वभाव से दयालु थे, उनसे हंस का छटपटाना देखा न गया। उन्होंने घायल हंस को अपनी गोद में उठाया। उसके शरीर से बाण निकालकर घाव को धोया और उस पर पट्टी बाँध दी। सिद्धार्थ हंस को प्यार से सहलाने लगे। हंस की पीड़ा कम हुई। तभी सिद्धार्थ का भाई देवदत्त वहाँ आ पहुँचा।

देवदत्त– मैंने इस हंस को मारा है। यह हंस मुझे दे दो।

सिद्धार्थ– मैंने इस हंस को बचाया है। यह हंस मेरा है।

देवदत्त– हठ न करो सिद्धार्थ! यह हंस मेरा है।

सिद्धार्थ– मैं यह हंस नहीं दे सकता।

दोनों में विवाद होने लगा। अंत में दोनों पिता जी के पास पहुँचे।

SAMPLE

देवदत्त– पिता जी, मैंने इस हंस का शिकार किया है। परंतु, सिद्धार्थ मुझे हंस नहीं दे रहा है।

सिद्धार्थ– पिता जी, मैंने इस हंस को मरने से बचाया है। इसलिए यह हंस मेरा है।

राजा दोनों की बातचीत ध्यान से सुनते रहे। अंत में उन्होंने अपना **निर्णय** दिया, ''मारने वाले से बचाने वाले का अधिकार अधिक होता है।'' अत: हंस सिद्धार्थ का ही है।''

शब्दार्थ

बगीचा – फुलवारी	रक्त – खून	बाण – तीर
हठ – जिद	विवाद – बहस	निर्णय – फैसला

उच्चारण करें

निर्णय	देवदत्त	सिद्धार्थ	बगीचा
रक्त	अधिकार	छटपटाना	पिता जी

श्रुतलेख

हंस   राजा   अधिकार   शिकार   हठ

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को कहानी का मूलभाव समझाते हुए उसे जीवन में अपनाने की प्रेरणा दें।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए
Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) बालक सिद्धार्थ बड़े होकर किस नाम से प्रसिद्ध हुए?

(ख) हंस क्या लगने से घायल हो गया था?

(ग) दोनों भाई फैसले के लिए किसके पास गए?

ज़रा लिखिए
Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) सिद्धार्थ ने किसकी जान बचाई?

....

(ख) सिद्धार्थ और देवदत्त में विवाद क्यों हुआ?

....

(ग) पिता जी ने क्या निर्णय दिया?

....

3. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

देवदत्त प्यार हंस

(क) अचानक एक .... उनके पास आकर गिरा।

(ख) सिद्धार्थ हंस को .... से सहलाने लगे।

(ग) हंस को बाण .... ने मारा।

SAMPLE

4. शुद्ध करके लिखिए।

(क) दयालू – .... (ख) बिवाद – ....

(ग) पठ्ठी – .... (घ) शिकाड़ – ....

ज़रा सोचिए Critical Thinking

5. सिद्धार्थ ने हंस को क्यों बचाया? सोचकर बताइए।

ज़रा दिमाग लगाइए Brain Storming Activity

6. दिए गए पक्षियों को पहचानकर उनके नाम लिखिए।

....

7. चित्रों को देखकर रंग भरिए।

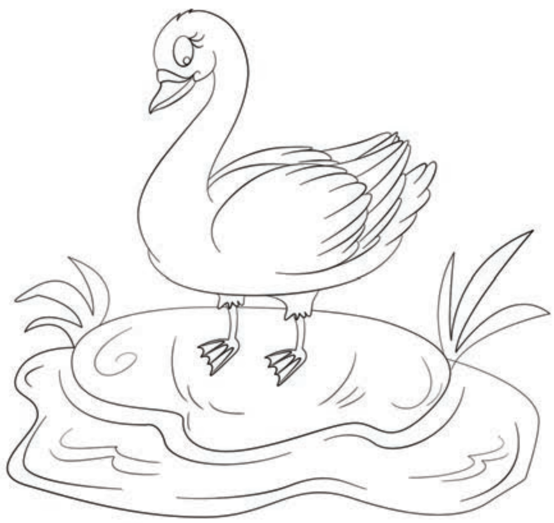

SAMPLE

गिलहरी
(कविता)

है कितनी चुलबुली गिलहरी,
छुओ तो है गुलगुली गिलहरी।
डालों, बेलों में है खेली,
पेड़ों पर है पली गिलहरी,
सुंदर-सुंदर पूँछ उठाकर,
कोटर से चली गिलहरी।
मेहनत और लगन से भोजन
ढूँढ़ रही हर गली गिलहरी।

लाई मूँगफली के प्यारे दाने
मिसरी की एक डली गिलहरी
चीं-चीं-चीं गाती है जब-जब,
लगती है तब भली गिलहरी
रखे साफ अपने शरीर को,
तभी तो है मखमली गिलहरी।

SAMPLE

शब्दार्थ

चुलबुली	– चंचल	गुलगुली	– कोमल
डालों	– शाखाओं	भोजन	– खाना
शरीर	– देह	भली	– अच्छी
लगन	– ध्यान लगाना	कोटर	– पेड़ का खोखला भाग

उच्चारण करें

गिलहरी	मिसरी	पेड़
मेहनत	मखमली	गुलगुली
पूँछ	उठाकर	सुंदर
चुलबुली	बेलों	पली

श्रुतलेख

शरीर	सुंदर	चुलबुली	गिलहरी
लगन	कोटर	मेहनत	भोजन
डली	गाती	डालों	खेली

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को कविता की पंक्तियाँ पढ़ाएँ, साथ ही उसका भावार्थ भी समझाएँ।

SAMPLE

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) गिलहरी छूने पर कैसी लगती है?

(ख) मेहनत और लगन से गिलहरी क्या ढूँढ़ रही थी?

(ग) गिलहरी कैसे गाती है?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) गिलहरी कहाँ-कहाँ खेली और पली है?

....

(ख) गिलहरी हमें कब अच्छी लगती है?

....

(ग) गिलहरी अपने भोजन के लिए क्या करती है?

....

3. सही शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

है कितनी चुलबुली ....

छुओ तो है गुलगुली ....

डालों, बेलों में है ....

पेड़ों पर है ....

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

4. कविता में गिलहरी क्या-क्या करती है? सोचकर बताइए।

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

5. रास्ते में रंग भरते हुए गिलहरी को उसके कोटर तक पहुँचाने में मदद कीजिए।

SAMPLE

स्वमूल्यांकन पत्र–1

नाम	कक्षा	अनुक्रमांक ....

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) गिलहरी क्या–क्या करती है?

(ख) सभी मौज़–मस्ती किस दिन करना चाहते थे?

(ग) घायल हंस को देखकर सिद्धार्थ ने क्या किया?

2. "किसने कहा" लिखिए।

(क) मैं लकड़ी चुनकर लाती हूँ।

(ख) मैं दूध लाऊँगी।

(ग) मैं चावल लाता हूँ।

(घ) चलो, आज खीर बनाएँ।

3. दिए गए शब्दों में मात्रा लगाइए।

(क) क........क........ (ख) श........म

(ग) क........टर (घ) लक........

(ङ) र........ववार (च) म........ज

4. दी गई पंक्तियों का अर्थ बताइए।

लाई मूँगफली के दाने,

मिसरी की एक डली गिलहरी।

SAMPLE

5. सही मिलान कीजिए।

(क) (i) राजा

(ख) (ii) अखबार

(ग) (iii) बरगद

(घ) (iv) हल

(ङ) (v) कोयल

6. चित्र देखकर रंग भरिए।

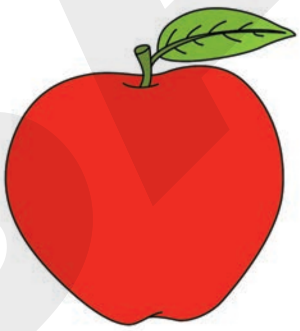

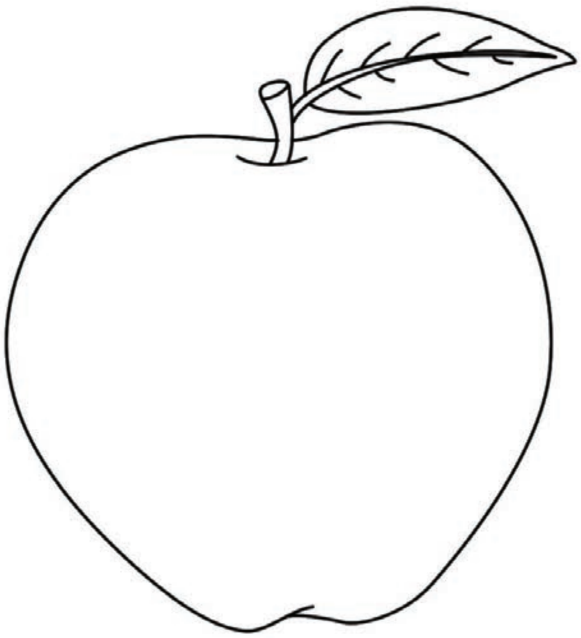

SAMPLE

स्वमूल्यांकन पत्र–2

नाम	कक्षा	अनुक्रमांक ....

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) गिलहरी कहाँ रहती है?

(ख) पिकनिक मनाने के लिए सारा सामान लेकर सब कहाँ इकट्ठा हुए?

(ग) सिद्धार्थ बड़े होकर किस नाम से जाने गए?

2. दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

हंस आग सिद्धार्थ चावल

(क) सब ने मिलकर .... जलाई।

(ख) .... छटपटा रहा था।

(ग) अंतत: हंस .... का ही है।

(घ) दूध में .... पकने लगे।

3. श्रुतलेख

काली हाल मैदा चीनी ओखली

औरत शैतान समाज दंड पाबंदी

4. दी गई पंक्तियों का अर्थ बताइए।

सुंदर–सुंदर पूँछ उठाकर,

कोटर से है चली गिलहरी।

SAMPLE

5. सही मिलान कीजिए।

(क)	ी	(i)	कृषक
(ख)	ु	(ii)	चीनी
(ग)	ं	(iii)	सुबह
(घ)	ू	(iv)	उल्लू
(ङ)	ृ	(v)	अंग

6. चित्र को देखकर रंग भरिए।

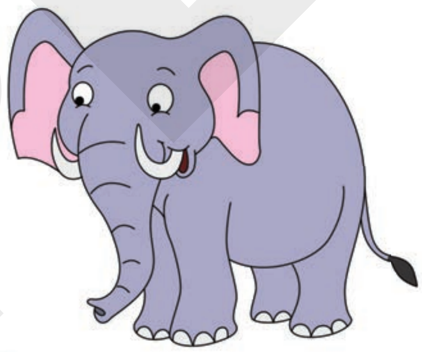

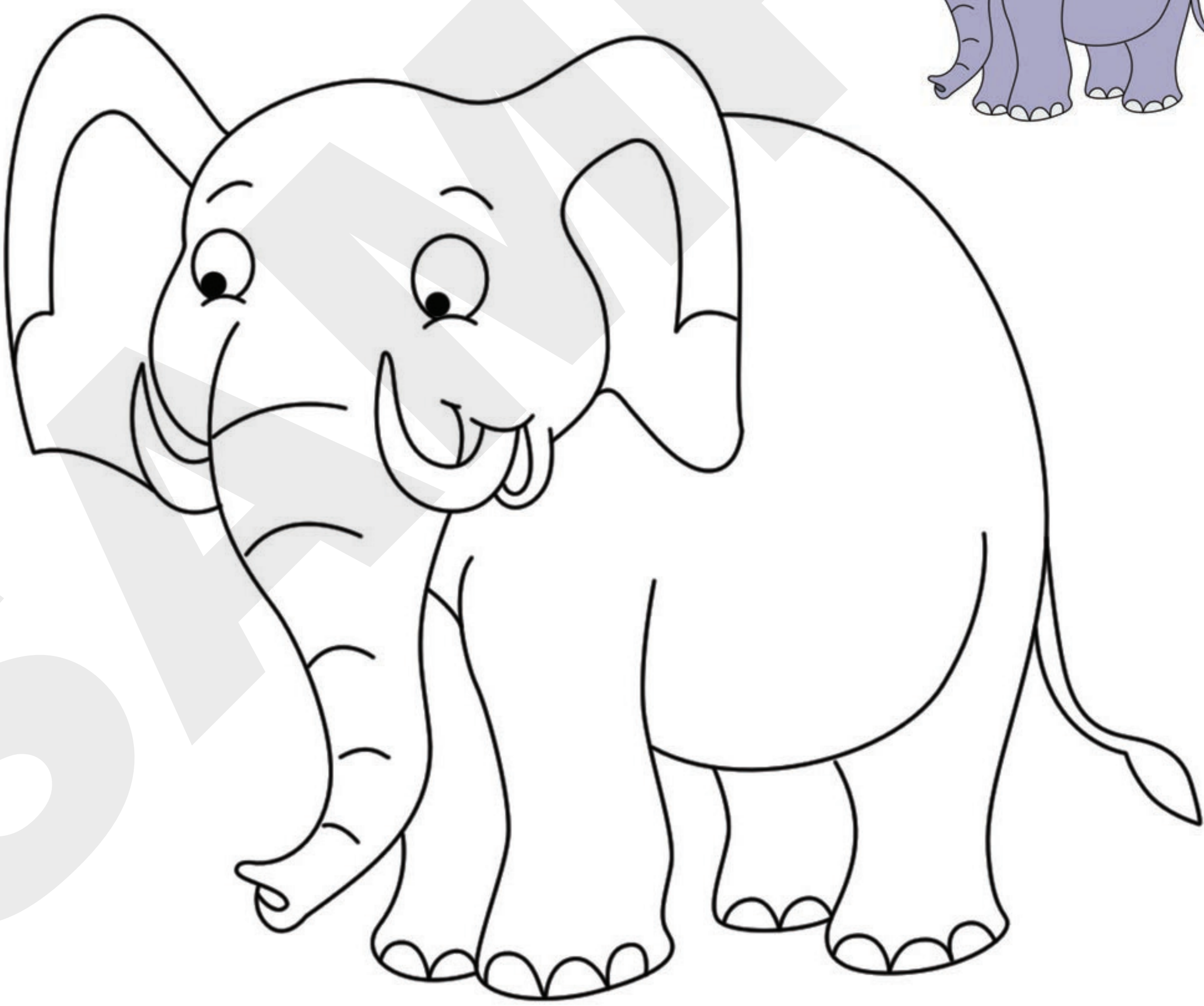

SAMPLE